शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय, इन्दौर

ए.बी.रोड, भंवरकुआ चौराहा, इन्दौर (म.प्र.) – 452017 Ph. 0731–2464074

E-mail : principalhsc@rediffmail.com

ई–न्यूज लेटर

सुविचार – विद्याधन से बढ़कर कोई धन नहीं है।

(क) श्रेणी से संबंधित समाचार

वनस्पतिशास्त्र विभाग के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. गोविन्दजी का व्याख्यान **''प्रकाश संश्लेषण''** विषय पर दिनांक 2.11.12 को संपन्न हुआ।

महाविद्यालय की एन.सी.सी. (महिला) प्रभारी मेजर प्रीति चतुर्वेदी द्वारा दिनांक 10.12.2012 से 19.12.2012 तक 10 दिवसीय राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस शिविर भोपाल में **''राष्ट्रीय सदभावना प्रस्तुतिकरण ''** – का रूपक तैयार करवाया गया। यह प्रस्तुतिकरण गणतंत्र दिवस शिविर दिल्ली में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का दल प्रतिस्पर्धा में प्रस्तुत करेगा।

प्रो. अनिता गंगराडे, सहायक प्राध्यापक वनस्पतिशास्त्र ने ईप्को–भोपाल द्वारा आयोजित ''Environment Conservation and Management'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

दिनांक 29.12.2012 को गणित वर्ष के समापन अवसर पर महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा **''भारत में गणित – रामानुजन के पूर्व एवं पश्चात्''** विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता–डॉ. एन.के.धाकड़–अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग,इन्दौर द्वारा की गई प्रो. जी.एस.पाण्डे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. पी.एन.मिश्रा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर एवं प्रो. आर.के. छजलानी, पूर्व आचार्य भौतिकी अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा अतिथि व्याख्यान दिये गये।

डॉ. कांता मूलचंदानी सहा. प्राध्यापक–अंग्रेजी विषय ने भोपाल में सरोजनी नायडू कन्या स्ना. महाविद्यालय में दिनांक 26.12.12 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला ''स्किल डेवलपमेंट योजना'' में भाग लिया।

An educated mind is useless without a focused will, and dangerous without a loving heart.

अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक– प्रो. सुरेखा उपाधे एवं प्रो. वनश्री गोड़बोले ने ऐकेडमिक स्टॉफ कालेज, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम ''Mass Communication and Journalism'' में दिनांक 20.12.12 से 09.01.2013 तक भाग लिया।

महाविद्यालय के प्रो. आर.के.वेद, प्रो. जे.एस.कुशवाह एवं प्रो. प्रेरणा ओझा का चयन शासन द्वारा प्रतिभावान प्राध्यापकों के रूप में कर दो माह हेतु अन्यत्र महाविद्यालयों में अध्यापन हेतु भेजा गया।

डॉ. अनुपम जैन– विभागाध्यक्ष, गणित विभाग को जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ की मातृ संस्था जैन विश्व भारती द्वारा जैन आगम साहित्य के अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु प्रतिवर्ष दिया जाने वाले देश के प्रतिष्ठित सम्मान ''जैन आगम मनीषा सम्मान'' से सम्मानित किया गया। उनको यह सम्मान जैन आगम साहित्य में निहित गणित के विशिष्ट अध्ययन एवं मौलिक अनुसंधान हेतु प्रदान किया गया।

शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय, इन्दौर में कार्यरत् श्री राजेन्द्र यादव – जिला सचिव, मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ, इन्दौर को **''स्वर्गीय श्री सत्यनारायण तिवारी सम्मान समारोह''** के दौरान सर्वश्रेष्ठ जिला समिति के पुरस्कार से प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश शासन – डॉ. मनोज श्रीवास्तव द्वारा भोपाल में सम्मानित कर प्रशंसा पत्र भेंट किया। उक्त समिति का चयन मध्य प्रदेश की अन्य समितियों में सवेश्रेष्ठ समिति के रूप में किया गया। श्री राजेन्द्र यादव (चतुर्थ श्रेणी) शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय को प्राचार्य एवं महाविद्यालय परिवार की ओर से बधाई दी गई।

श्री राजेन्द्र यादव (शासकीय होलकर विज्ञान महा.) –जिला सचिव मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ एवं श्री भीमसिंह कुशवाह–जिलाध्यक्ष ; डॉ. मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश शासन, भोपाल से सम्मान–पत्र प्राप्त करते हुए।

नाम पेल ग्रास ब्लू रहती है खट्टी बूटी पर

किशोर पंवार

छत पर मैंने बहुत सारे गमले लगा रखे हैं। उनमें वांछित पौधों के अलावा कुछ खरपतवार और घास-फूस भी उगी है। इन गमलों पर लगी घास पर अक्सर एक छोटी-सी तितली को मैंने मण्डराते हुए देखा है - मटमैले सफेद रंग की। उसके दोनों पंखों पर, दरअसल चारों पंखों पर क्योंकि एक तरफ से देखने पर दो पंख ही दिखाई देते हैं, बाहरी किनारों पर काली धारियों की एक बॉर्डर-सी बनी थी। पंखों के अन्दरूनी हिस्सों पर चार-पाँच काले धब्बे थे। आँखें बड़ी-बड़ी और एन्टीना काले-सफेद पट्टों वाले जिनके सिरे मुगदराकार थे। जब इसका नाम पता किया तो मालूम हुआ कि यह 'पेल ग्रास ब्लू' है।

इस तितली के नर के पंखों की ऊपरी सतह चमकदार नीली होती है और मादा की भूरी। पंखों की निचली सतह पर भूरे रंग के धब्बों का संयोजन उसे सुन्दर बनाता है। ऊपरी पंख पर चार-पाँच भूरे काले गोल धब्बे होते हैं। पिछले पंखों पर लगभग एक गोल घेरे में 10-12 धब्बे होते हैं। पंखों का बाहरी किनारा रोएँदार नज़र आता है जिसके नीचे धारियों के पास हल्के रंग की 'V' के आकार की कई रचनाएँ बनी होती हैं। धब्बों के गोल घेरे के अन्दर भी उड़ती चिड़िया-सी आकृति बनी होती है।

इस तितली के बारे में इतना सब पढ़ने के बाद आपका मन भी इसे देखने का हो रहा होगा। तो कोशिश करते रहिए। बगीचे में या घर के गमलों के आसपास भी इस तितली को देखा जा सकता है। सुबह-सुबह इसे देखेंगे तो इसके काफी पास जा सकेंगे और ऐसे वक्त यदि हाथ में हैंडलेंस हो तो क्या बात है।

जिस पौधे से इस तितली का खास रिश्ता है उसका नाम *ऑक्ज़ेलिस कार्नीकुलेटा* है। आम बोलचाल में इसे खट्टी बूटी कहा जाता है। ऑक्ज़ेलिडेसी कुल के इस पौधे की पत्तियाँ खट्टी होती हैं।

कुछ दिनों बाद वही तितली मुझे गमले में उग आई खट्टी बूटी पर बैठी दिखाई दी। कहीं आसपास फूल नहीं थे। तितली वहाँ क्या कर रही है, यह जानने के लिए जब गमले के थोड़ा पास गया तो तितली तो उड़ गई परन्तु जिस पौधे की पत्तियों पर वह बैठी थी, उसकी हरी-हरी पत्तियों पर सफेद, लगभग पारदर्शी मोटी धारियाँ नज़र आईं। पत्तियों को उलट-पलट कर देखने पर एक छोटे-से प्यूपा का खाली खोल दिखाई दिया। कुछ और पत्तियों को पलटा तो हरे रंग के एक-दो छोटे लार्वा भी नज़र आए। अब तक यह तो पक्का हो गया था कि ये ज़रूर किसी तितली के लार्वा

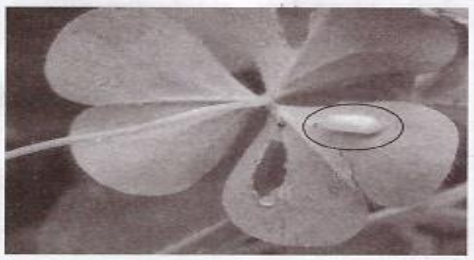

खट्टी बूटी की पत्ती पर चिपका प्यूपा। चित्र में प्यूपा गोले से घिरा है।

एवं प्यूपा हैं। मैंने इनके फोटो लिए और 'कॉमन बटर फ्लाइज़ ऑफ इंडिया' किताब में इस तितली को ढूँढा। मुझे पता चला कि एक तितली है 'पेल ग्रास ब्लू' जो ऑक्ज़ेलिस कार्नीकुलेटा की पत्तियों पर अपने अण्डे देती है। सात-आठ दिन फिर ऐसे ही बीत गए फिर एक दिन कुछ और पत्तियों की खोजबीन की तो ऑक्ज़ेलिस की एक पत्ती के नीचे एक प्यूपा मिल गया। यह ताज़ा-ताज़ा बना था क्योंकि उसके पास ही कुछ काले रंग के द्रव की बूँदें बिखरी थीं। पिछली बार मिले प्यूपा के खाली खोल से इसे मिलाया तो तय हो गया कि ये एक ही जैसे हैं। अब तक यह निश्चित हो गया था कि जो तितली गमले की घास-फूस पर मण्डरा रही थी, ये उसी के लार्वा एवं प्यूपा हैं। इस तितली का नाम ज़रूर 'पेल ग्रास ब्लू' है परन्तु इसका घास (ग्रास) से कुछ लेना-देना नहीं है। न तो यह घास पर अपने अण्डे देती है, न इसके लार्वा घास खाते हैं और न ही घास के फूलों से तितली को मकरन्द मिलता है। तो फिर इसका नाम 'पेल ग्रास ब्लू' की बजाय 'पेल ऑक्ज़ेलिस ब्लू' या 'खट्टी बूटी ब्लू' होना चाहिए, या नहीं?

जितनी सुन्दर और मज़ेदार यह तितली है ऑक्ज़ेलिस भी उतना ही शानदार पौधा है। इसकी पत्तियाँ बड़ी सुन्दर हैं और वैसे ही सुन्दर हैं इसके गहरे पीले रंग के छोटे-छोटे फूल। दरअसल, यह एक खरपतवार है जो यूरोप से हमारे यहाँ आई है। नम छायादार बगीचों, नर्सरी और लॉन में यह खूब फैलती है। इसे निकालना भी काफी मुश्किल है। लगभग साल भर इस पर फूल आते हैं। रेंगने वाले (रेंग कर बढ़ने वाला) का श्रेष्ठ उदाहरण है। गमलों में यह आ जाए तो उखाड़ना मुश्किल होता है। इसकी मूसला जड़ बड़ी, गहरी और मज़बूत होती है। गमले में यह गोल-गोल घूमकर फैलती रहती है। पत्तियाँ मेथी की भाजी की तरह परन्तु तीन-तीन के जोड़े में 'स्लीपिंग गति' (sleep movements) दर्शाती हैं यानी रात होते ही बन्द हो जाती हैं। फूल लगभग 2 से.मी. लम्बा एक कैप्सूल होता है जिस पर पाँच धारियाँ होती हैं। इसमें ढेरों बीज भरे होते हैं। बीजों का टेस्टा (खोल) इलास्टिक होता है। पका फल स्पर्श संवेदी (छुई मुई जैसा) होता है। हल्के-से छूते ही ढेरों राई के दाने के बराबर कत्थई रंग के बीजों और सफेद टेस्टा की चारों दिशाओं में बौछार होने लगती है। यह नज़ारा वाकई देखने लायक है। आप ज़रूर छूकर इसका यह जादू देखें। और तितली की सुन्दरता का लुत्फ उठाएँ यानी, एक तीर से दो निशाने।

किशोर पंवार: होल्कर साइंस कॉलेज, इन्दौर में बीज तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष और वनस्पतिशास्त्र के प्राध्यापक हैं।
फोटो: किशोर पंवार।

100 शैक्षणिक संदर्भ अंक-23 (मूल अंक 80)

करे बुराई सुख चहै, कैसे पावे कोय।
रोपे पेड़ बबूल का, आम कहाँ से होय।।

(ख) श्रेणी से संबंधित समाचार

समस्त विभागों के एम.फिल. के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 8 एवं 9 नवम्बर 2012 को प्रो. गीता नेमा–रीडर, आई.आई.पी.एस. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा ''SPSS'' पर विश्लेषणात्मक व्याख्यान दिया गया।

दिनांक 12.01.2013 को स्वामी विवेकानंद जी की 150वीं जयंती पर महाविद्यालय में श्री गगन अवस्थी का व्याख्यान हुआ।

महाविद्यालय में प्रतिभा बैक का गठन किया गया। विभिन्न विषयों के सेवानिवृत्त प्राध्यापकों एवं विशेषज्ञों की विद्यार्थियों के हित में सक्रिय हिस्सेदारी सुनिश्चत करने के लिए उनसे संपर्क किया गया। इस संबंध में विस्तृत कार्य योजना बनाई जा रही है।

म्हाविद्यालय में प्लेसमेंट हेतु विभिन्न कंपनियों ने अपनी सहमति प्रदान की । इसके अंतर्गत Episource Pvt. Ltd., IBM Daksh, J.K. Cement Pvt. Ltd., Cognizent Pvt. Ltd, TCS Pvt. Ltd. Lupin Pharmaceutical Pvt. Ltd. प्लेसमेंट हेतु महाविद्यालय में आई । जनवरी माह में 150 विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट हेतु पंजीयन कराया। इसमें से कुल 18 विद्यार्थी चयनित हुए। विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय ट्रेनिंग कोर्स दिनांक 15.01.2013 से प्रारंभ किया जा रहा है जिसमें पर्सनालिटी डेवलेपमेंट, गुप डिस्कशन एवं कम्युनिकेशन स्कील की तैयारी करवाई जायेगी।

(ग) श्रेणी से संबंधित समाचार

गुणवत्ता विस्तार वर्ष 2012–13 के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के प्रोत्साहान के लिए विभिन्न क्लब गठित किये गये है। जिसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही है।

महाविद्यालय में वर्ष 2012–13 के लिए नेक (NAAC) द्वारा मापदण्डों के अनुरूप आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) समिति का गठन किया गया है। जो नेक के मानदण्डों के अनुसार कार्य कर रही है।

To be Successful in Life what you need is education, not literacy and degrees.

यू.जी.सी. की ग्यारहवीं योजना के अंतर्गत यू.जी.सी. द्वारा विभिन्न योजनाओं के लिए महाविद्यालय को राशि 1,29,00,000/– का अनुदान प्राप्त हुआ।

(घ) श्रेणी से संबंधित समाचार

महाविद्यालय में गुणवत्ता विस्तार वर्ष 2012–13 के अंतर्गत रचनात्मक लेखन क्लब द्वारा काव्य लेखन एवं चित्रकथा लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया।

महाविद्यालय द्वारा अक्टूबर माह में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर द्वारा अंतर महाविद्यालयीन संभाग स्तरीय तथा मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ प्राचार्य, डॉ. आर.के. तुगनावत ने किया।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर की संभाग स्तरीय साफ्टबॉल (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय द्वारा दिनांक 7 एवं 8 जनवरी 2013 को किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य–डॉ. आर.के तुगनावत जी ने किया एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि, डॉ. एन.के.धाकड़– अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, इन्दौर संभाग थे। प्रतियोगिता में खालासा महाविद्यालय विजयी रहा। विश्वविद्यालय दल हेतु महाविद्यालय की तीन छात्रा खिलाडियों – कु. खुशबू वर्मा, कु. वर्षा शर्मा एवं कु. प्रियंका चौहान का चयन हुआ ।

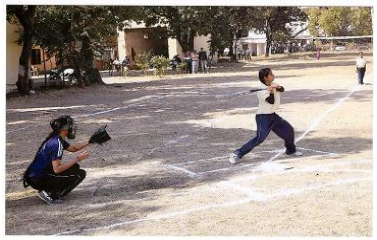

महाविद्यालय में छात्राओं के लिए कराते शिविर का आयोजन किया गया।

एन.सी.सी. में महाविद्यालय की छात्रा कु. रितिका श्रीवास्तव को बेस्ट एनसीसी कैडेट का अवार्ड दिया गया। इनका चयन आरडीसी एवं एनआईसी केम्प के लिए हुआ। मध्य 2 म.प्र.आर्म्ड स्क्वाड्रन एनसीसी द्वारा ग्राम बिसनखेड़ा को गोद लेकर वहाँ पर सामाजिक सेवा एवं ग्राम विकास के लिए कार्य किया जा रहा है।
2 एम.पी. आर्म्ड स्कवाड्रन एनसीसी केडेट्स द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।
महाविद्यालय के एन.एस.एस. महिला इकाई की प्रभारी डॉ. लक्ष्मी तंतुवाय ने छात्राओं के साथ गोद ग्राम बस्ती (रालामंडल) में वृज्ञारोपण कार्यक्रम आयोजित किया एवं पहाड़ी को पोलीथीन मुक्त किया गया। विद्यार्थियों ने रेड रिबन एक्सप्रेस के कार्यक्रम में भाग लिया एवं रक्तदान भी किया। 01 दिसम्बर 2012 को एड्स दिवस के अवसर पर छात्राओं को एड्स संबंधित जानकारी दी गई।

माननीय मुख्यमंत्रीजी, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी परिषद्, भोपाल के क्षेत्रिय विस्तार केन्द्र द्वारा विद्यार्थियों व आम जनता के बीच विज्ञान लोक व्यापीकरण एवं वैज्ञानिक जागरूकता को लेकर दिनांक 5 से 7 जनवरी 2013 तक महाविद्यालय में मालवा विज्ञान मेले–2013 का आयोजन किया गया। डॉ. संजय व्यास को मेला स्थानीय संयोजक नियुक्त किया गया। प्राचार्य–डॉ. आर.के.तुगनावत ने मेले का शुभांभ किया। इस दौरान हाईड्रोफोनिक जल कृषि, वैज्ञान के जादू, थ्री डी फिल्म शो के साथ तारामंडल रात्री में टेलिस्कोप के द्वारा आकाश दर्शन, विज्ञान के क्रियाशील मॉडल, पोस्टर्स एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों एवं विभिन्न शासकीय विभागों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। चलित विज्ञान प्रदर्शनी बस भी अवलोकन के लिए मौजुद थी। मेले में महाविद्यालय के 12 विभागों एवं एन.सी.सी. ने अपने स्टॉल लगाकर विज्ञान के मॉडल्स का प्रदर्शन किया। माइक्रोबायलॉजी विभाग को प्रथम पुरस्कार, भूगर्भ शास्त्र विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग को द्वितीय एवं एन.सी.सी. को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। विज्ञान मेले को इन्दौर में बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला ।